हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार 17 जून 2024

11 नागरिकों ने योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाने का लिया संकल्प

11 एक्सीलेंस इन एजुकेशन अवार्ड से सम्मानित किया

खबर संक्षेप

अज्ञात वाहन की टक्कर से कैंटर चालाक की मौत

चरखी दादरी। बीती देर रात नेशनल हाइवे 152 डी पर समसपुर टोल प्लाजा के समीप अज्ञात वाहन की टक्कर से केंटर चालक की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के परिजनों के बयान पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और चालक को अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां डॉक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। मृतक की शिनाख्त करनाल जिला निवासी कर्मबीर के रूप में हुई है।

लूट के रुपये लेने के लिए भटक रही वृद्धा

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा में दिनदहाड़े वृद्धा व उसकी पुत्री से थैले में 2.80 लाख रुपये की लूट व लुटेरे के पकड़े जाने पर राशि न मिलने को लेकर महिला दर दर भटक रही है और एसपी व मुख्यमंत्री से मिलकर गुहार लगाएगी वहीं थाना प्रभारी ने बताया कि लुटेरे को गिरफ्तार कर लिया गया है कानूनी प्रक्रिया में कुछ समय लगता है। पीड़ित वृद्ध एवं विधवा महिला बवानी खेड़ा के वार्ड 10 निवासी सरोज देवी के अनुसार उसने चार जून को वह अपनी बेटी हेमलता के साथ 2.80 लाख रूपए वह अपनी पुत्री संग घर आ रही थी। घर के पास ही करीबन 11:20 सुबह एक नौजवान व्यक्ति ने रूपया का थैला हाथ से छीनकर भाग गया जिसको लेकर थाना बवानी खेड़ा में शिकायत दी थी और पुलिस ने पांच जून को मुकदमा दर्ज करवाया गया था।

आधार अपडेट करने की डेडलाइन 14 सितंबर तक

भिवानी। यूआईडीएआई ने आमजन की सुविधा के मद्देनजर फ्री में आधार कार्ड अपडेट की तारीख बढ़ाकर 14 सितंबर कर दी है। सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में आधार कार्ड सबसे अहम दस्तावेज है और 10 साल पुराने आधार कार्ड को अपडेट करना आवश्यक है। डीसी नरेश नरवाल ने कहा कि पहले 14 जून तक फ्री में आधार अपडेट किया जा सकता था जिसे अब तीन महीने आगे बढ़ाते हुए आधार कार्ड को अपडेट करने की तिथि 14 सितंबर 2024 तक बढ़ा दी गई है।

गर्मी में लोगों को पिलाया मीठा पानी

चरखी दादरी। बढती गर्मी के बीच आने जाने वाले राहगीरों, ग्राहकों, नागरिकों को मीठा पेयजल उपलब्ध करवाने के लक्ष्य को लेकर झाडू सिंह चौक पर छबील लगाकर शरबत व अन्य पेय पदार्थ वितरित किए गए। झाडू सिंह चौक के निकट अपना कार्य करने वाले सभी दुकानदारों के सहयोग से यह छबील लगाई गई।यूनिट 32 प्रधान डाक्टर सुदेश वर्मा व अन्यों ने सभी से आह्वान किया गया कि हम सभी का यह प्रयास होना चाहिए कि नियमित अंतराल पर ऐसे कार्य करते रहें।

पीने लायक नहीं भिवानी का पानी

पानी सप्लाई के साथ नलों से निकल रहे झाग, पेट की बीमारी बढ़ने की आशंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। सप्लाई के दौरान नलों से उगलता दूषित पानी।

- फैलने लगी है पेट की बीमारियां
- जंग की वजह से खत्म होने की कगार पर पहुंची पाइप

भले ही शहर में स्वच्छ पानी की सप्लाई का दावे किए जा रहे हो,लेकिन हकीकत कुछ और ही है। शहर के अधिकांश इलाकों में पीने के पानी दूषित पहुंच रहा है। करीब 15 मिनट तक तो सप्लाई के पानी में बदबू आती है। उसके बाद पानी के साथ नल झाग उगलने लगते हैं। पानी के साथ झाग कभी कम तो कभी ज्यादा होते हैं। घरों तक पहुंचने वाला पानी पीने के लायक नहीं बल्कि बदबू होने की वजह से उक्त पानी को अन्य प्रयोग में भी नहीं लाया जा सकता। इस बारे में कई बार शहर के लोगों ने जिला प्रशासन से शिकायत की,लेकिन आज तक उनकी इस समस्या का समाधान नहीं हो पाया है।

वैसे तो शहर के अधिकांश इलाकों में दूषित पेयजल सप्लाई पहुंच रही है,लेकिन सबसे बुरी स्थिति हनुमान ढाणी इलाके की बनी है। यहां पर पानी की सप्लाई आने के करीब 15 मिनट तक सीवर का मिक्स होकर पानी पहुंचता है। उक्त पानी बदबू इतनी आती है कि लोगों को पानी नालियों में बहाना पड़ता है। उसके बाद बदबू तो खतम हो जाती हे,लेकिन पानी की सप्लाई के साथ नलों से झाग उगलने लगते है। यह स्थिति जितने समय पानी की सप्लाई आती है। उतनी देर तक बनी रहती है। हनुमान ढाणी इलाके में जो पानी की सप्लाई पहुंचती है। उस पानी का प्रयोग किसी भी चीज में नहीं किया जा सकता। जिसके वहां के लोगों को उक्त पानी को नालियों में ही बहाना पड़ता है। इस क्षेत्र में यह स्थिति कई दिनों से बनी हुई है।

सीवर लाइनों से गुजरे पाइप

शहर की बाहरी कॉलोनी व कुछ अंदरूनी शहर में अनेक जगहों पर सीवर के मेन होल के बीच से पीने के पानी की पाइप लाइन गुजर रही है। इन इलाकों में पीने के पानी की पाइप लाइन बहुत पुरानी हो चुकी है। अधिकांश में लोहे के पाइप लगे है। जो कि जंग की वजह से खतम होने की कगार पर पहुंच गए है। कई पाइपों में तो छेद भी निकल आए है। जिनमें से पानी लिकेज होता रहता है। पानी की सप्लाई आती है तो छेदों में पानी सीवरों में उगलने लगता है। पानी की सप्लाई बंद होने के बाद फिर से सीवर का पानी उन छेदों में से पाइप लाइन में प्रवेश कर जाता है। अगले दिन जब भी पानी की सप्लाई छोड़ी जाती है तो पहले से जमा सीवरों का पानी पाइप लाइन के जरिए घरों तक पहुंचता है। वह सारा निकलने के बाद ही स्वच्छ पानी पहुंचना शुरू होता है। जिसकी वजह से यह समस्या बनी है। सबसे ज्यादा यह समस्या हनुमान ढाणी इलाके में बनी है। क्योंकि वहां की सीवर व्यवस्था दुरुस्त नहीं है। कई दिनों से दूषित पानी पीने से लोगों में पेट से संबंधित बीमारी पनपने लगी है। चिकित्सकों की माने तो दूषित पेयजल पीने से आंतों की बीमारी, पेट में गैस, तेजाब आदि ज्यादा बनने की परेशानी बढ़नी शुरू हो जाती है। अगर दूषित पानी को कई दिनों तक पिया जाए तो आंतों में बड़ी बीमारी बन सकती है। ऐसे में इस तरह के पानी को पीने से बचना

झुग्गी झोपड़ियों के बच्चों के लिए फ्री पाठशाला शुरू

बाढड़ा। बाढ़ड़ा में झुग्गी .झोप डड़यों में रहने वाले बच्चों के लिए नि :शुल्क पाठशाला का शुभारंभ करते हुए

- नि :शुल्क स्टेशनरी व वर्दी भी की जाएगी प्रदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

शिक्षा सफलता के द्वार खोलने वाली होती है और प्रत्येक बच्चे तक यह पहुंचनी चाहिए। इसी उद्देश्य के साथ रविवार को किसान भवन बाढ़डा में विजन फाउंडेशन इंडिया द्वारा विजन पाठशाला का उद्घाटन किया गया। विजन फाउंडेशन के अध्यक्ष चंद्रवीर आर्य ने जानकारी देते हुए बताया कि झुग्गीदूझोंपड़ियों में रहने वाले बच्चों के लिए सायंकालीन निशुल्क पाठशाला का आयोजन किया जाएगा।

इस उद्घाटन अवसर पर रामकुमार बाढड़ा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रीतम कुमार ने की। मुख्य अतिथि रामकुमार ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का अधिकार है और इस प्रकार की मुहिम जरूरतमंद बच्चों के लिए बहुत आवश्यक है। इस मुहिम से इन बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में मदद मिलेगी। विजन फाउंडेशन इंडिया के अध्यक्ष चंद्रवीर आर्य और उपाध्यक्ष कुमारी पबीता ने कहा कि फाउंडेशन द्वारा सर्वे करके 60 से अधिक बच्चों को चिह्नित किया है जो किन्ही कारणों से नियमित रूप से स्कूल नहीं जा पा रहे या डॉक्यूमेंट के अभाव में स्कूल में दाखिला नहीं हुआ है। इन बच्चों की नियमित स्कूल में हाजरी रहे और शाम को 2 घंटे ट्यूशन सुविधा मिले इसके लिए किसान भवन में विजन पाठशाला की स्थापना की गई है।

महेंद्रगढ़ में 29 को होने वाले राज्यस्तरीय अधिवेशन की तैयारियों पर की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हरियाणा अनुसूचित जाति राजकीय अध्यापक संघ जिला भिवानी की बैठक में मौजूद पदाधिकारी व सदस्य।

हरियाणा अनुसूचित जाति राजकीय अध्यापक संघ जिला भिवानी की आवश्यक बैठक सुरेंद्र सिंह मेमोरियल हुडा पार्क में जिला प्रधान संतकुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन सुनील चोपड़ा जिला सचिव ने किया। बैठक में बलजीत सिंह दहिया पूर्व राज्य महासचिव एवं संरक्षक विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में 29 जून को महेंद्रगढ़ में होने वाले एक दिवसीय राज्य स्तरीय अधिवेशन की तैयारी के लिए चर्चा की गई। जिला प्रधान संतकुमार ने सभी खंडो व जिला कार्यकारिणी सदस्यों से आह्वान किया कि सभी पदाधिकारी अन्य अध्यापकों के साथ अधिक से अधिक संख्या में अधिवेशन में पहुंचकर अधिवेशन को सफल बनाएं। इस अवसर पर रामनिवास तालु वरिष्ठ उपप्रधान, जोगिंद्र भानखड, अनिल फांडन, मनजीत ग्रेवाल, भगतसिंह, मुकेश, जयपाल सिंह , कृष्ण कुमार धनिया, सुंदर सिंह खंड कोषाध्यक्ष तोशाम, संजय, सत्यपाल सिंह व रमेश आदि उपस्थित रहे।

गहरे गड्ढे में गिरने से बाल-बाल बची रोडवेज बस

- बड़ा हादसा टला, बस को जेसीबी से बाहर निकाला
- बाढ़ड़ा में सतनाली रोड पर निर्माणाधीन है पुल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

बाढ़ड़ा में सतनाली रोड पर रविवार को हरियाणा रोडवेज की एक बस निर्माणाधीन पुल के गहरे गड्ढे में गिरने से बाल-बाल बच गई। जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया और बस सवार यात्रियों ने राहत की सांस ली। बाद में बस को जेसीबी की सहायता से बाहर निकाला गया।

बाढ़ड़ा। निर्माणाधीन के पुल के समीप गहरे गड्ढे के समीप फंसी रोडवेज बस।

बता दे कि बाढ़ड़ा में बाढ़ड़ा-सतनाली सड़कमार्ग पर नहर के ऊपर पुल उपर बने पुराने पुल को तोड़कर नया पुल बनाया जा रहा है। जिसके लिए वहा करीब दस से 15 फिट गहरा और बड़ा गड्ढा खोदा गया है। वहीं इस गड्?ढे के साथ ही वाहन निकल रहे है। रविवार को तोशाम से सतनाली जाने वाली बस जब बाढ़ड़ा से आगे यहां से निकलने लगी तो मिट्टी टूटकर नीचे गिर गई और बस का अगला टायर गड्ढे में चला गया, लेकिन गनीमत रही कि बस वहीं रुक गई और गड्ढे में गिरने से बच गई। अन्यथा बस सवारियों से भरी होने के कारण एक बड़ा हादसा हो सकता था। बस का एक टायर गड्ढे में चले जाने के कारण बस सवार यात्रियों की धड़कने बढ़ गई। बाद में सवारियों को पिछली खिड़की से बाहर निकाला गया। बाद में जेसीबी मंगवाकर बस को खिचवाकर बाहर निकाला गया।

नियमों के उल्लंघन पर वाहनों के काटे चालान

- चालक निर्धारित गति सीमा व बाई लेन में ही वाहन चलाएं : निरीक्षक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

चरखी दादरी। वाहन का चालान करते पुलिसकर्मी। फोटो :हरिभूमि

यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों पर ट्रैफिक पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने 221 से अधिक वाहनों का चालान काटे। रविवार को ट्रैफिक पुलिस ने जिलेभर में यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाया,जिसमें यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 221 से अधिक वाहनों के चालान काटे। यातायात निरीक्षक ने निर्देश दिए कि मोटर वाहन अधिनियम के अन्तर्गत सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्येक भारी वाहन अपनी निर्धारित गति सीमा में बाए लेन में चले, जिससे सड़क सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि ओवरटेक करते समय किसी भी वाहन चालक को कठिनाई का सामना न करना पड़े और सड़क हादसों से बचा जा सके। वहीं कोई भी वाहन चालक मोटर वाहन अधिनियम के अन्तर्गत निर्धारित गति सीमा व बाई लेन में न चलकर नियम की उल्लंघना करता है तो उसका चालान किया जाए। एसपी ने वाहन चालकों से अपील की कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने व वाहनों के आवागमन के लिए यह अनिवार्य है कि हम मोटर निर्धारित गति सीमा व बाए लेन में चले, गलत साइड में वाहन न चलाएं, जिससे हादसों में कमी लाई जा सके।

बिना भाई की दो बहनों की शादी में की आर्थिक मदद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- अनेक गरीब लड़कियों की शादी में मदद कर चुका है ग्रुप

एक बार फिर भाईचारा कन्यादान ग्रुप ने मदद के लिए हाथ बढ़ाते हुए गांव पिंजोखरा में एक बिना पिता व बिना भाई की 2 बहनों की शादी में आर्थिक सहायता की है। इससे पहले भी यह ग्रुप अनेक गरीब तथा बेसहारा लड़कियों की शादी में आर्थिक मदद कर चुका है। रविवार को गांव पिंजोखरा में गरीब परिवार की लड़कियों की शादी में की मदद से उस गरीब परिवार को शादी के लिए काफी सहायता मिली है और मदद करने वाले लोगों का वह बार.बार धन्यवाद कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि भाईचारा कन्यादान ग्रुप बेसहारा तथा गरीब परिवार की बेटियों की शादी में पिछले काफी दिनों से मदद करता रहा है और अभी तक यह ग्रुप करीबन आधा दर्जन से अधिक गरीब तथा बेसहारा लड़कियों की शादी में मदद कर चुका है। इसी कड़ी में रविवार को भी भाईचारा कन्यादान ग्रुप ने एक बार फिर मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाते हुए तोशाम क्षेत्र के गांव पिंजोखरा में बिना पिता व बिना भाई की 2 बहनों के विवाह में 51 हजार रूपये की मदद की। जिससे उस गरीब परिवार में खुशी छा गई और भाईचारा कन्यादान ग्रुप का उन्होंने हृदय से आभार जताया। इस मौके पर भाईचारा कन्यादान ग्रुप के सदस्य बिल्लू बागनवाला, कुलदीप, सरपंच अभय सिंह अलखपुरा, सोनू काटीवाल अलखपुरा, रोशन आदि मौजूद थे।

अज्ञात कार चालक ने बाइक सवारों को मारी टक्कर

- पुलिस व एंबुलेंस की सहायता से अस्पताल में करवाया उपचार, एक रेफर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

भिवानी। सामान्य अस्पताल में उपचार करवाते घायल। फोटो :हरिभूमि

बवानीखेड़ा क्षेत्र के गांव जमालपुर में मोटरसाइकिल पर दो सवार युवकों को कार चालक ने टक्कर मारकर घायल कर दिया, जिन्हें पुलिस की सहायता से एंबुलेंस में लाकर हालात गंभीर होने के चलते भिवानी रेफर कर दिया। वहीं पुलिस भी जांच में जुट गई। कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस में दिए ब्यान में प्रेमनगर निवासी राजू व सुमित ने बताया कि उनकी तोशाम चुंगी पर टायर पेंचर की दुकान है। घायलों ने बताया कि वे रविवार सांय बवानीखेड़ा से जमालपुर जा रहे थे। अचानक पीछे से अज्ञात कार चालक ने उन्हें जोर से टक्कर मार दी और वे सड़क से दूर जा गिरे। राहगीरों ने इसकी सूचना 112 पर पर दी। पुलिस व एंबुलेंस पहुंची व दोनों को सामान्य अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। वहीं चिकित्सा अधिकारी विपुल ने बताया कि एक को सिर में गंभीर चोटें होने के चलते भिवानी रेफर किया गया है।

प्रवचन सत्संग में बोले परम सन्त सतगुरु कंवर साहेब

सत्य हमेशा अटल रहता, जांचेंगे परखेंगे तो अटल ही मिलेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। सत्संग में प्रवचन देते संत कंवर साहेब। फोटो :हरिभूमि

सत्य हमेशा अटल रहता है। उसको जितनी बार भी देखोगे व परखोगे वो अटल ही रहेगा। जिस प्रकार सूर्य अटल है क्योंकि वो सत्य है चन्द्रमा अटल है क्योंकि वो भी सत्य है वैसे ही सतगुरु भी अटल है क्योंकि वो भी सत्य है। वो सत नाम की दाद देने वाला है। सन्तमत भी अटल व सत्य है इसलिए सन्तमत ही कलयुग में इंसान के लिए कल्याणकारी मार्ग है। ये सन्तमत ही है जो इंसान का जगत भी संवारता है और अगत भी। यह सत्संग वाणी राधास्वामी परम सन्त सतगुरु कंवर साहेब ने फरमाई। गुरु महाराज ने फ़रमाया कि गृहस्थ को भोगो लेकिन मर्यादा में। किसी भी चीज की अति मत करो। अति का बोलना भी गलत है और अति का मौन भी कष्टकारी है। वैसे ही जैसे अति का बरसना भी गलत है और अति की धूप भी गलत है। उन्होंने कहा कि आज का युग छल कपट का युग है। एक ही वातावरण में पल कर भी दो व्यक्ति अलग अलग विचारधारा और संस्कार को ढो रहे हैं। भटकाव है, इसका सबसे बड़ा कारण संस्कार विहीन शिक्षा है। आज धर्म का भी पतन हो रहा है। परमात्मा को भजने का समय उन्होंने कहा कि सुख भी आवश्यक हैं लेकिन यदि ये सुख इन आठ सुखों में हों तो। उन्होंने कहा कि पहला सुख निरोगी काया दूजा सुख घर में हो माया। तीजा सुख पुत्र अधिकारी चौथा सुख सुलक्षणा नारी। पांचवां सुख राज में वाशा छठा सुख स्वदेश निवासा। सातवां सुख अच्छा पड़ोस। पहला सुख निरोगी काया को बताते हुए उन्होंने कहा कि काया अगर स्वस्थ है तो ही सारे सुख हैं। रामायण भी यही कहती है कि जब लग रोग नही आया जब लग काल गिरसी नही काया तब तक ही तेरे पास परमात्मा को भजने का समय है।

इंसान की हालत मुसाफिर जैसी

हुजूर कंवर साहेब ने कहा की इंसान की हालत उस मुसाफिर की तरह है जो कुए में पानी पीने के लिए झुका तो वो कुए में ही गिर गया और कुए में उपजी एक पेड़ की टहनी में अटक गया। कुए के नीचे अजगर मुह बाये पड़ा है। टहनी को काले और सफेद रंग के दो चूहे कुतर रहे हैं। मुसाफिर के ऊपर एक शहद का छाता है जिसमे शहद टपक रहा है। मुसाफिर नीचे मुह बाये अजगर से डर रहा है, लेकिन ऊपर से टपक रहे शहद को चाट कर गाफिल भी ही रहा है। कुछ

अपने मकसद को पहचानों

गुरु महाराज ने कहा की अपने मकसद को पहचानो। सत्संग में सभी तरह के जीव जाते है लेकिन गुरु की कसौटी को वो जान सकता है जो जीते जी मरना जानता है। सत्संग राजनीति का अखाड़ा नही है बल्कि सत्संग मुक्ति का मार्ग है। इसलिए पूर्ण सतगुरु की खोज करो क्योंकि यही एक इस जगत की दुर्लभतम वस्तु है। सतगुरु का वचन ही शिष्य का एकमात्र मन्त्र है। उन्होंने कहा कि पूर्ण गुरु की शरणाई से कुमति वैसे ही चली जाती है जैसे सूर्य के उदय होने से अंधकार चला जाता है। प्रेम प्रीत और प्रतीत बिना भक्ति की कल्पना भी नही की जा सकती। जिसमे लग्न होगी वोही मग्न होगा। लग्न केवल मर जीवे की ही लगेगी।

आप बस इतना करें कि इस लॉकडाउन के बाद मुझे तलाक दिला दें।' इतना कह कृति ने फोन काट दिया और किचन की ओर मुड़ गई। उसके गले में हल्का दर्द था और सिर भारी हो रहा था. एक कप चाय बनाने के लिए जैसे ही उसने किचन के दरवाजे पर कदम रखा।

वैभव को अंदर देख कृति के सिर पर गुस्से का बादल जैसे फट पड़ा। पैर पटकते वापस बेडरूम में आकर लेट गई।

कहानी | दिव्या शर्मा

शक का संक्रमण

मैं नहीं रह सकती अब एक भी दिन इस घर में। मुझे बस तलाक चाहिए। कृति के मुँह से निकले झल्लाते शब्दों को सुन वकील ने मौन साध लिया। जवाब न सुन कृति के गुस्से में जैसे मिर्च छिड़क गई।

'आप बोल क्यों नहीं रहे वकील साहब! देखिए मुझे नहीं पता कि कोरोना की क्या गाइडलाइंस हैं। आपने कहा था कि एक महीना पूरा होते ही मेरी अर्जी पर कोर्ट फैसला दे देगा!' कृति के चेहरे पर परेशानी उभर आई।

'देखिए कृति जी। कोर्ट बंद हैं और अभी खुलने के आसार भी नहीं तो केस की सुनवाई तो अभी नहीं हो सकती और मैं जज नहीं जो डिसिजन देकर आपके तलाक को मंजूर कर दूँ।' वकील ने समझाते हुए कहा।

'पर मैं यहाँ से जाना चाहती हूँ। एक महीने के चक्कर में फंस गई हूँ मैं..मुझसे उस आदमी की शक्ल नहीं देखी जा रही जिसने मुझे धोखा दिया। मैं नहीं रह सकती वैभव के साथ।' कृति के शब्दों की झुंझलाहट और मन में छिपे दर्द को वकील ने साफ महसूस किया.दो पल को खामोशी इख्तियार कर वह फिर बोला,

'आप अपनी माँ के घर चली जाएं।'

'अरे नहीं जा सकती। इस इलाके को कोरोना जोन घोषित कर दिया है। यहाँ से निकली तो चालीस दिन के क्वारनटिन कर दी जाऊंगी।' कृति ने हांफते हुए कहा।

'तो बताओ मैं क्या कर सकता हूँ?' वकील ने कहा.

'आप बस इतना करें कि इस लॉकडाउन के बाद मुझे तलाक दिला दें।' इतना कह कृति ने फोन काट दिया और किचन की ओर मुड़ गई। उसके गले में हल्का दर्द था और सिर भारी हो रहा था. एक कप चाय बनाने के लिए जैसे ही उसने किचन के दरवाजे पर कदम रखा।

वैभव को अंदर देख कृति के सिर पर गुस्से का बादल जैसे फट पड़ा। पैर पटकते वापस बेडरूम में आकर लेट गई।

छत पर घूमते पंखे के साथ पिछली यादें घूमकर उसकी आँखों के सामने तैरने लगी।

दीया बाती के नाम से मशहूर वैभव और कृति अपने कॉलेज की सबसे हॉट जोड़ी थी।

दोनों के बीच की कैमिस्ट्री को देखकर न जाने कितने दिल जल कर खाक हुए जाते थे. कृति की अदाएं और वैभव की दीवानगी जैसे रोमियो जूलियट. कृति के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए वैभव रोज नये ट्रिक्स करता। दोनों की दीवानगी कोई वक्ती न थी। अपने करियर के मुकाम पर पहुंच वैभव और कृति परिवार की रजामंदी से विवाह के बंधन में बंध गए।

सब कुछ बेहद खूबसूरत चल रहा था लेकिन वह एक शाम दोनों की जिन्दगी में बिजली बनकर कौंध गई। प्रेम की मजबूत दीवार पर शक के हथौड़े का वार गहरा पड़ा.वैभव ने लाख सफाई दी कि उसका मेघना के साथ सिर्फ मित्रता का संबंध है लेकिन शक की आग में चली कृति कुछ भी सुनने को तैयार नहीं थी। पंद्रह दिन बाद दोनों की शादी को दो साल पूरे हो जायेंगे लेकिन कृति उससे पहले ही वैभव से तलाक चाहती थी। कोर्ट ने एक बार दोबारा विचार करने के लिए दोनों को कुछ समय साथ रहने का फैसला सुनाया था। वैभव के लाख प्रयासों के बाद भी कृति का मन नहीं बदला बल्कि वैभव की हर कोशिश उसे सफाई नजर आती। नफरत और गुस्से से वह वैभव को शब्दबाणों से घायल करती रहती। वैभव का सयंम अभी टूटा नहीं था इसलिए उसने अपने आस पास मौन ओढ़ लिया। केस की अगली सुनवाई तक दोनों को साथ ही रहना था इसलिए मजबूरन कृति वैभव को बर्दाश्त कर रही थी। समय चल रहा था लेकिन अचानक आए कॉरोना के वायरस ने जिन्दगी की रफ्तार को जैसे थाम दिया। लॉकडाउन लग चुका था। चारों ओर डर और अफरातफरी का माहौल था। कृति अपने मायके जाना चाहती थी लेकिन उनकी सोसायटी सील कर दी गई थी क्योंकि इस बिल्डिंग में कोरोना के पॉजिटिव केस लगातार बढ़ रहे थे। मन मारकर एक ही छत के नीचे रहती कृति अंदर अंदर घुल रही थी। कृति अपने ख्यालों में खोई कमरे में चहलकदमी कर रही थी कि एंबुलेंस की तेज आवाज़ से उसका ध्यान भटका। वह भागकर बॉलकनी की ओर भागी। सामने वाली बिल्डिंग के नीचे एंबुलेंस खड़ी थी। उसके आस पास पीपीई किट पहने चार लोग खड़े थे। कृति ने ध्यान दिया तो उसे सामने वाली बिल्डिंग के चार नंबर फ्लैट की बॉलकनी में सुधा आंटी रोती नजर आई । एंबुलेंस के अंदर एक बॉडी को डाला जा रहा था। थोड़ी देर में एंबुलेंस साइरन बजाते निकल गई। सुधा आंटी के रोने की आवाज़ अब साफ नजर आ रही थी।

कृति को अपना शरीर बिल्कुल निष्क्रिय लग रहा था वह उठ नहीं पा रही थी। कोरोना उसके शरीर को जकड़ चुका था, लेकिन वैभव उसके करीब खड़ा था। यह देख कृति वैभव को दूर जाने के लिए कहती है, 'तुम दूर रहो वैभव, मुझे कोरोना तुम भी बीमार हो जा।'इतना कहकर कृति खाँसने लगती है। उसे सांस लेने में तकलीफ महसूस हुई। तुम शांत रहो। मुझे कुछ नहीं होगा। मैंने मॉस्क और ग्लब्स पहने हैं ध्यान से देखो और तुम्हें बस वायरल बुखार है कोरोना नहीं. घबराओ नहीं. मैं चाय लाता हूँ।' इतना कहकर वैभव रसोई में चला गया. थोड़ी देर में चाय और स्टीमर उसके साथ था। कृति को चाय देके वैभव ने स्टीमर का प्लग लगाया और उसे गर्म करने लगा।

एंबुलेंस में उनके एकलौते बेटे रजत को ले जाया गया था।

'रजत नहीं रहा।' बगल की बॉलकनी में मुँह लपेटे पारूल खड़ी थी। उसकी बात सुनकर कृति का दिल धक से रह गया।

₹क्या बोल रही हो पारूल! यार एक ही बेटा था आंटी का। कोई नहीं है उनके पास तो.कैसे बर्दाश्त करेंगी वे यह दुख!' कृति तड़प कर बोली।

'कॉरोना जाने कितनों को अपने साथ ले जायेगा. तुमने मॉस्क नहीं पहना और तुम बाहर खड़ी हो! इतनी लापरवाही ठीक नहीं कृति।' इतना कहकर पारूल अंदर चली गयी और दरवाजा बंद कर दिया।

घबराई कृति कमरे के अंदर आकर अपने चेहरे और हाथों को साबुन से रगड़ने लगती है। सुधा आंटी का विलाप चारों तरफ फैले सन्नाटे में डर पैदा कर रहा था। कृति अपने कमरे को सेनिटाइज कर बिस्तर पर लेट गई। सिर में दर्द और गले की खराश मन में भय की तरंगें बनाने लगी। नाक से बहता पानी मस्तिष्क को बार बार झिंझोड़ रहा था. लेकिन आंटी और रजत के बारे में सोचते सोचते उसे गहरी नींद आ गई।

कृति को कमरे से बाहर न निकलते देख वैभव को चिंता हो रही थी। कृति कभी इतनी देर नहीं सोती। रात के आठ बज रहे थे और कृति चार बजे से कमरे के अंदर थी। रजत के जाने का दुख वैभव को अंदर तक हिला गया उस पर कृति का कमरे में बंद होना वैभव के मन में हजार आशंकाओं को जन्म दे रहा था। घड़ी की सूंई बढ़ती जा रही थी। नौ बज चुके थे. अब वैभव उसके कमरे के दरवाजे के बाहर जाकर खड़ा हो गया।

'कृति, तुम ठीक हो न! कृति...कृति!' दरवाजे को थपथपा कर वह बोला। लेकिन कृति की कोई आवाज़ नहीं आई। वैभव ने दरवाजे को हल्के से धकेला तो कृति को बिस्तर पर बेसुध पाया. वह उसके करीब जाकर उसके माथे को छुता है। माथा भट्टी की तरह तप रहा था।

'कृति...कृति...उठो..आँखें खोलो!' वैभव उसे झिंझोड़ कर बोला। कृति अपनी आँखें खोलने की कोशिश करती है लेकिन खोल नहीं पाती।

वैभव तुरंत अपना मॉस्क चेहरे पर लगाता है और ठंडे पानी का कटोरा लेकर उसके सिरहाने बैठ जाता है। ठंडे पानी की पट्टियां सिर पर रख उसकी हथेलियां रगड़ने लगता है। कृति को कुछ होश आया। आँखें खोली तो वैभव सामने था. कृति की आँखें लाल थी। वैभव उसे होश में देख तुरंत पैरासिटामोल ले आया और सहारा देकर दवा उसके मुँह में डाल दी।

कृति को अपना शरीर बिल्कुल निष्क्रिय लग रहा था वह उठ नहीं पा रही थी। कोरोना उसके शरीर को जकड़ चुका था, लेकिन वैभव उसके करीब खड़ा था। यह देख कृति वैभव को दूर जाने के लिए कहती है, 'तुम दूर रहो वैभव, मुझे कोरोना तुम भी बीमार हो जा।'इतना कहकर कृति खाँसने लगती है। उसे सांस लेने में तकलीफ महसूस हुई। तुम शांत रहो। मुझे कुछ नहीं होगा। मैंने मॉस्क और ग्लब्स पहने हैं ध्यान से देखो और तुम्हें बस वायरल बुखार है कोरोना नहीं. घबराओ नहीं. मैं चाय लाता हूँ।' इतना कहकर वैभव रसोई में चला गया. थोड़ी देर में चाय और स्टीमर उसके साथ था। कृति को चाय देके वैभव ने स्टीमर का प्लग लगाया और उसे गर्म करने लगा। *(शेष अगले अंक में)*

गजल | चरणजीत चरण

तुमने अच्छा ही किया ली न ख़बर, वैसे भी
लौट के कोई न आया है इधर, वैसे भी

तुम गई हो तो पलटकर के सुकूँ आया है
दिल को रहता था बिछड़ जाने का डर, वैसे भी

हम कई रोज रहे साथ चलो अच्छा है
कितना चलता है मुहब्बत का सफ़र, वैसे भी

हाथ इकतारे पे रखते ही हुआ तार जुदा
मुझको आता ही नहीं था ये हुनर, वैसे भी

हमसफ़र बन न सके तुम तो कोई बात नहीं
थोड़ी मुश्किल थी मेरी राह-गुज़र वैसे भी

गजल | दिनेश शर्मा दिनेश

दुनिया में आते हैं और जाते हैं लोग
कब अपना किरदार निभा पाते हैं लोग

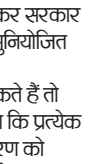

वह साथी है सबका उसका किससे बैर
अपनी ही करनी का फल पाते हैं लोग

सबकी अपनी ढपली सबका अपना राग
केवल अपने लाभ की बतियाते हैं लोग

हर कोई इक जैसा कैसे हो सकता है
इक चक्की का आटा कब खाते हैं लोग

ऐहतियात रखा कर जेहन में तू खास
गिरगिट से ज्यादा रंग दिखलाते हैं लोग

लघुकथा | अशोक कुमार ढोरिया

दायित्व

ओ ₹ओह ! ये गर्मी।₹ ₹यार आज तो तापमान 54° है, जीना बेहाल कर रखा है।₹ ₹हाँ भाई, गर्मी ने पिछले 22 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।₹ ₹भाई एक बात बताओ, क्या सरकार का कोई कर्त्तव्य नहीं बनता कि पर्यावरण संरक्षण के बारे में कोई ठोस कदम उठाए।₹ पास ही बैठे बूढ़े दादा ने दोनों की बात सुनकर कहा - ₹बेटा, जिस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति अपना वोट डालकर सरकार बनाता है ताकि देश का शासन सुनियोजित ढंग से चल सके।

जब हम अपनी सरकार चुन सकते हैं तो क्या हमारा ये दायित्व नहीं बनता कि प्रत्येक व्यक्ति एक पेड़ लगाकर पर्यावरण को स्वच्छ बनाकर जलवायु को जीने लायक बना सके ?

पर्यारण गीत | नरेश शांडिल्य

प्रबुद्ध करें हम

जल-थल-नभ सब शुद्ध करें हम,
जन-मन पुनः प्रबुद्ध करें हम ।

जल न रहा तो कल क्या होगा?
उजड़ रहे जंगल ; क्या होगा?
साँसों का संबल क्या होगा?
इन प्रश्नों का हल क्या होगा?
जूझ स्वयं से युद्ध करें हम...

जल-थल-नभ सब शुद्ध करें हम,
जन-मन पुनः प्रबुद्ध करें हम।

गुरुवाणी में सदियों पहले,
नानक जी ने भी फरमाया;
पवन पिता , धरती को माता,
पानी को गुरुरूप बताया;
क्यों फिर धर्म विरुद्ध करें हम...

जल-थल-नभ सब शुद्ध करें हम,
जन-मन पुनः प्रबुद्ध करें हम।

सदियों से पूजित हैं नदियाँ,
हिमगिरि उन्नत शिखर चोटियाँ,
हरा-भरा वसुधा का आँचल,
करें न इन सबका मन घायल,
कभी न इनको क्रुद्ध करें हम...

जल-थल-नभ सब शुद्ध करें हम,
जन-मन पुनः प्रबुद्ध करें हम ।

निर्मल हो नदियों की कल-कल,
खिलें-बढ़ें गिरि-वन नित पल-पल,
हो स्वच्छंद खग-मृग की हलचल,
खिला रहे यूँ जीवन-शतदल,
पथ न सृष्टि का रुद्ध करें हम...

जल-थल-नभ सब शुद्ध करें हम,
जन-मन पुनः प्रबुद्ध करें हम।।

फिर 'दधीचि' हड्डियाँ गलाएँ,
पुनः 'भगीरथ' भू पर आएँ,
फिर 'अगस्त्य' संकल्प उठाएँ,
'अँगुलिमाल-मन' को समझाएँ,
मानव-मन को बुद्ध करें हम...

जल-थल-नभ सब शुद्ध करें हम,
जन-मन पुनः प्रबुद्ध करें हम।।

लघुकथा | अम्बिका कुमारी कुशवाहा

आपसी समझ

हाँ.. मैं आलसी हूँ.. बहुत आलसी। और कुछ कहना चाहती हो? इतना कहकर अनिमेष कमरे से बाहर निकल गया। श्वेता की मज़ाक में कही गई बात और अचानक अनिमेष का इस तरह का व्यवहार देख, श्वेता सोच में पर गई।

श्वेता और अनिमेष ने प्रेम विवाह किया था। दोनों कॉलेज में साथ पढ़े थे और श्वेता जानती थी अनिमेष एक शांत स्वभाव का संकोची लड़का है जो बिना कुछ पूछे अपनी बात भी नही कहता।

अनिमेष के पीछे श्वेता भी तेजी से बाहर निकली। अनिमेष बालकनी पर खड़े हो सड़क की ओर देख रहा था।

श्वेता ने उसके कंधे पर हाथ रख पूछा- क्या हुआ अनिमेष? कोई बात है क्या?

अनिमेष- नहीं श्वेता , कुछ नही.. बस ऐसे ही थोड़ा गुस्सा आ गया। सॉरी।

श्वेता- अनि.. हमने प्रेम विवाह किया है। मैं तुम्हारी जीवनसंगिनी और अच्छी दोस्त भी हूँ। तुम्हारा इस तरह मुझसे किसी बात को न कहना अच्छा नही लगता।

अनिमेष- (श्वेता की ओर देखते हुए) सॉरी श्वेता.. मुझे माफ कर दो, इस बार भी हम गर्मियों में शिमला नही जा सकते। बॉस ने छुट्टी देने से साफ मना कर दिया है। साथ पिछले सप्ताह अस्वस्थ रहने के कारण जो अवकाश लिया था, सैलरी से पैसे काट लिए बॉस ने। और अगले सोमवार से ओवरटाइम की ड्यूटी भी है।

श्वेता- उफ्फ.. ये बेरहम बॉस। बस इतनी सी बात और इतना बड़ा टेंशन लिए हो? अनि.. कोई बात नही, हम इस बार कहीं नही जाएंगे। अगली बार चलेंगे शिमला।

और हाँ तुम इतना क्यों सोचते हो? मैं तुम्हारी साथी हूँ, मैं भी जॉब करती हूँ, आर्थिक जिम्मेदारी मेरी भी हैं।

अनिमेष (मुस्कुराते हुए)- बुरा लगता है ना.. शादी के इतने दिन बाद भी तुम्हारे शिमला घूमने की इच्छा पूरा नही कर पा रहा।

श्वेता- मुझे भी कहाँ छुट्टी मिल पाती है। साथ घूमने की इच्छा तो तुम्हारी भी हैं। ये प्राइवेट जॉब भी न..

अनिमेष- मुझे तो आज संडे को सुबह सुबह तुमसे लड़ना था, पर तो उलझती ही कहाँ हो बातों में।(दोनो हँसते हैं)

श्वेता(घूरते हुए)- अच्छा जी! अगले साल छुट्टी पर हम सबसे पहले अपने घर चलेंगे। उसके बाद ही कही जाएंगे।

अनिमेष- जैसी आपकी आज्ञा देवी। 'रिश्तों की बुनियाद आपसी समझ, सम्मान, सहयोग और विश्वास पर केंद्रित होती है।'

साहित्य समाज को जोड़ने का काम करता है, इसलिए संस्कार के लिए खासतौर से युवाओं को साहित्य के प्रति जागृत करना आवश्यक है। यह जिम्मेदारी लेखकों और साहित्यकारों की भी है कि वे अच्छे साहित्य सृजन करके सामाजिक निर्माण में योगदान दें।

साक्षात्कार | ओ.पी. पाल

समाज को दिशा देने में साहित्य की अहम भूमिका: मधु वशिष्ठ

हिंदी साहित्य के क्षेत्र में समाज को नई दिशा देते हरियाणा के लेखकों, साहित्यकारों, कवियों और रचनाकारों में महिलाओं की भी अहम भूमिका रही है। ऐसी ही महिला साहित्यकारों में शुमार मधु वशिष्ठ भी साहित्य की विभिन्न विधाओं के जरिए सामाजिक सरोकार के फोकस में सकारात्मक विचारधाराओं से समाज को नई दिशा देने में जुटी हुई हैं। दिल्ली सरकार से सेवानिवृत्त अधिकारी के पद से सेवानिवृत्ति के बाद स्वतंत्र लेखन से रचना संसार को आगे बढ़ाते हुए साहित्य सृजन में जुटी मधु वशिष्ठ कई प्लेटफार्मों से भी अपने लेखन को सुगम और सरल बना रही हैं। अपने मनोभावों को कहानी या कविता के रूप में साहित्य को समर्पित लेखिका, रचनाकार, कवियत्रि और कहानीकार मधु वशिष्ठ ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में अपने साहित्यिक सफर के बारे में विस्तृत उल्लेख करते हुए कई ऐसे पहलुओं को उजागर किया, जिसमें समाज को सकारात्मक रूप से जागृत करने की दिशा में साहित्य की अहम भूमिका हो सकती है।

हिंदी साहित्य के क्षेत्र में लोकप्रिय महिला रचनाकार मधु वशिष्ठ का जन्म 10 सितंबर 1959 को दिल्ली में सोमदत्त शर्मा और तारा रानी शर्मा के घर में हुआ। उनके पिता नई दिल्ली नगर पालिका परिषद में अधिकारी थे, इसलि मधु का बचपन दिल्ली के सरकारी मकान में ही बीता है। उनकी प्रारंभिक शिक्षा दिल्ली गोल मार्केट के नगर पालिका के स्कूल में हुई। उनका परिवार नगर पालिका के पुस्तकालय के नजदीक ही रहता था और परिवार के सदस्य उसके सदस्य भी थे, तो साहित्य के प्रति रुझान स्वतः ही होना तय था। वहीं दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी और रामकृष्ण मिशन की भी लाइब्रेरी भी उनके घर के पास ही थी, जहां परिवार के सभी लोग पुस्तकों को पढ़ते थे। बकौल मधु वशिष्ठ उस जमाने में प्रकाशित होने वाली चंपक, नंदन और बहुत सी कॉमिक्स जैसी पुस्तकें पढ़ने का शौक बढ़ने के साथ लेखन के प्रति भी रुचि जागृत होने लगी थी। उनकी लिखी हुई पहली कविता और कहानी 70 के दशक में कॉलेज की मैगजीन में प्रकाशित हुई तो लेखन के प्रति आत्मविश्वास बढ़ना भी स्वाभाविक ही था। उस जमाने में साहित्यिक सफर इतना आसान नहीं था कि वे अपनी कहानी या कोई भी रचना को प्रकाशित कराने के लिए दिल्ली प्रेस या धर्मयुग मैगजीन के लिए उनका पता ढूंढना पड़ता था और फिर लिफाफे में डालकर अपनी रचनाओं को वहां भेजना होता था, तो अधिकतर डाक वापस आ जाती थी यानी रचनाएं प्रकाशित होने की संभावनाएं भी नगण्य ही थी, लेकिन उनकी एक कविता को एक हिंदी मैगजीन में प्रकाशित हुई। मधु वशिष्ठ ने बताया कि साल 1974 से 77 के बीच भी उन्होंने कुछ रचनाएं लिखी थीं, लेकिन विवाहोपरांत और 80 के दशक के बाद उनकी व्यस्तताएं बहुत बढ़ गईं, जिसका कारण साल 1982 में उनकी दिल्ली सरकार में नौकरी लग गई, जहां से 2018 में सेक्शन ऑफिसर के पद से सेवानिवृत्त हुई हैं। मधु वशिष्ठ साधना कहानियां यादों की उनका अपना एक यूट्यूब चैनल भी है। मधु वशिष्ठ की नजर में इस आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति बहुत अच्छी तो नहीं है, क्योंकि अधिकतर लोग सोशल साइट में उलझे हुए हैं और लेखन से ज्यादा दृश्य उन्हें आकर्षित कर रहे हैं, इसलिए साहित्य के पाठकों में रुझान कम देखने को मिल रहा है। जहां तक युवा पीढ़ी की साहित्य में रुचि का सवाल है उनके ऊपर पाठ्यक्रम का बोझ ज्यादा है और जानकारी के लिए उनके पास इंटरनेट का सरल विकल्प भी है। वे कल्पना की बजाए अपनी पढ़ाई पर या मोबाइल में किसी भी विषय पर जानकारियां लेना ज्यादा पसंद करते हैं। हालात यहां तक पहुंच गये कि 1913 में रविंद्र नाथ ठाकुर को उनकी काव्य रचना गीतांजलि के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला था, लेकिन उसके बाद कोई भी कृति ऐसी नहीं हुई, जो की साहित्यिक पुरस्कार के योग्य समझी जा सके।

प्रकाशित पुस्तकें

मधु वशिष्ठ की विभिन्न विधाओं में अभी तक छह एकल पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है। इनमें कहानियां यादों की, कहानी संग्रह कथा कुंज, कविता संग्रह जीवन और मन तथा भक्ति सागर प्रमुख रुप से शामिल हैं। इनके अलावा उनकी कविताओं के संकलन के रुप में अनुभव नामक पुस्तक भी उनकी उपलब्धियों में शामिल है। रचनाकार मधु की 80 से अधिक साझा संकलनों में रचनाएं प्रकाशित हो चुकी है। इसके अलावा राष्ट्रीय पत्र व पत्रिकिाओं में उनके लेख, कहानियां औरकविताएं भी प्रकाशित होती आ रही हैं।

मधु वशिष्ठ

पुरस्कार व सम्मान

कवयित्री को विभिन्न विधाओं में सैकड़ों पुरस्कार और सम्मान मिले हैं। इसमें प्रतिलिपि में उन्हें गोल्ड बैज के साथ प्रमाणपत्र का सम्मान भी मिला है। धारावाहिक लेखन में उन्हें फेलोशिप का सम्मान भी मिला है। स्टोरी मिरर में लिटरेरी जनरल की उपाधि से सम्मानित मधु वशिष्ठ ऑथर ऑफ द ईयर अवार्ड से भी सम्मानित है। इसके अलावा उन्हें काव्य विभूति सम्मान, काव्यश्री सम्मान, साहित्य रत्न सम्मान, शांतिप्रिय व्यक्तित्व सम्मान, श्रेष्ठ कहानीकार सम्मान मिल चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नामः मधु वशिष्ठ
जन्मतिथिः 10 सितंबर 1959
जन्म स्थानः राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली
शिक्षाः बीए, बीएड (मिरांडा हाउस दिल्ली)
सम्प्रतिः सेवानिवृत्त अधिकारी, स्वतंत्र लेखन
संपर्कः 19/8, फरीदाबाद (हरियाणा)

चिंता और चिंतन को प्रतिबिंबित करते दोहे

पुस्तक : उगें हरे संवाद (दोहा संग्रह)
कवि : योगेन्द्र वर्मा 'व्योम'
मूल्य : 200 रुपये
प्रकाशक : गुंजन प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा | डॉ. रामनिवास 'मानव'

दोहा हिंदी का प्राचीन और परंपरागत लघु छंद है, जिसने हर काल में अपनी सार्थकता सिद्ध की है। भक्तिकाल में यह रामबाण बनकर चला, तो रीतिकाल में इसने कामबाण बनकर लक्ष्य-संधान किया। वर्तमान काल में भी दोहे की प्रासंगिकता बनी हुई है, किंतु आज का दोहा तुलसी-रहीम-बिहारी के दोहों का सगोत्रीय छंद नहीं है। इसकी गर्भनाल कबीर के बेबाक दोहों से जुड़ी है। इसकी मारक क्षमता भक्ति-रीति कालीन दोहों से कहीं अधिक और गहरी है तथा यह अग्निबाण बनकर असंगतियों, विसंगतियों और विकृतियों के ढेर में पलीता लगाने का काम कर रहा है। यही कारण है कि आज अनेक समर्थ कवि दोहा-लेखन में सक्रिय हैं।

ऐसे कवियों में गीत-नवगीत के श्रेष्ठ हस्ताक्षर योगेन्द्र वर्मा 'व्योम' का नाम भी सम्मिलित है, जो दोहा छंद को धार देने का सफल-सार्थक प्रयास अपनी लेखनी द्वारा कर रहे हैं। 'परिवार के उजले भविष्य- पुत्र और पुत्रियों को समर्पित', 332 दोहों के अपने प्रथम दोहा-संग्रह 'उगें हरे संवाद' में वह बढ़ती संवेदनहीनता, टूटते रिश्तों और बिखरते परिवारों की त्रासद स्थिति पर तो चिंतित दिखाई पड़ते ही हैं, पारस्परिक संबंधों और पारिवारिक रिश्तों में अंतर्निहित आत्मीयता की ऊष्मा पर भी उनका पूरा जोर है। उनके दोहे देखिए- स्वस्थ भला कैसे रहे, अपनापन-सम्मान ।
भीतर हों जब तल्ख़ियाँ, चेहरों पर मुस्कान।।
गूगल युग ने क्या किया, छीन लिए एहसास।
छिटक रही संवेदना, चटक रहे विश्वास।।

किंतु जैसे-जैसे हम उनके दोहों के माध्यम से आगे बढ़ते हैं, समकालीन जीवन-यथार्थ के अन्य विद्रूप आयाम भी उद्घाटित होते जाते हैं। इन दोहों में कवि की चिंता और चिंतन, दोनों तो साथ-साथ चलते ही हैं, भावों की भंगिमा तथा भाषा की लाक्षणिकता इन्हें और भी मारक तथा महत्त्वपूर्ण बना देती है। संग्रह के अनेक दोहों की कलात्मकता भी देखते ही बनती है-
शहरों के हर स्वप्न पर, कैसे करें यक़ीन।
उम्मीदों के गाँव हैं, जब तक सुविधाहीन।।
घुल-मिलकर व्यक्तित्व में, बिखरे मधुर सुगंध।
पढ़कर तो देखो कभी, सच के ललित निबंध।।

निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि 'उगें हरे संवाद' संग्रह दोहा-परंपरा में भाव और भाषा-शिल्प की दृष्टि से काफी-कुछ नया जोड़ता है। संग्रह के दोहे पाठकों को पसंद आयेंगे, यही विश्वास है।

खबर संक्षेप

दंपत्ति से मारपीट के आरोप में 5 नामजद

कनीना। कनीना के वार्ड आठ में मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने पांच व्यक्तियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इस बारे में शहर थाना पुलिस को दी शिकायत में महिला सुनिता ने बताया कि उसके पति रिषीराज सहित उन पर चाचा ससुर सतीश कुमार, चाची सास कैलाश देवी व उनके तीन लड़के प्रशांत कुमार, सिद्वार्थ कुमार व अनुज कुमार ने ईंट-पत्थर व लाठी-डंडों से हमला बोलकर घायल कर दिया। जिन्हें उप नागरिक अस्पताल में दाखिल करवाया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

स्वामी ब्रह्मानंद को दी श्रद्धांजलि

नारनौल। वरिष्ठ नागरिक संगठन के सदस्यों ने संगठन के प्रधान दुलीचंद शर्मा की अध्यक्षता में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया, जिसमें राजकीय पीजी कॉलेज नारनौल की प्रिंसिपल पूर्णप्रभा के परमपूज्य पिता श्रद्धेय स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती के आकस्मिक देहावसान पर संगठन के कार्यालय में दो मिनट का मौन धारण करके दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

निर्जला एकादशी धनौंदा में भंडारा आज

कनीना। निर्जला एकादशी के अवसर पर 17 जून को धनौंदा में प्याऊ गौशाला के समीप भंडारे का आयोजन किया जाएगा। सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक आयोजित होने वाले इस समारोह में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा।

एलआईसी फंड के नाम पर 40 हजार की चपत लगाई

कनीना। हैकर्स ने कनीना मंडी के एक व्यक्ति को झांसे में देकर एलआईसी फंड के नाम पर करीब 40 हजार रुपये की चपत लगा दी। नरेश कुमार ने शहर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 14 जून को उनके मोबाइल पर अज्ञात व्यक्ति की कॉल आई। जिसमें कॉलर ने बताया कि वह एलआईसी एजेंट बोल रहा है, आपकी पुरानी पॉलिसी है। जिसमें 15 हजार रुपये का फंड आया हुआ है, लेकिन वह 55 हजार रुपये से कम कीमत का चेक नहीं बना सकते हैं, इसलिए 40 हजार रुपये भेज दो, तो आपके नाम 55 हजार रुपये का चेक भेज देंगे। नरेश कुमार उसकी बातों में आ गया। और उसकी ओर से बताए गए नंबरों पर 39960 रुपये फोन-पे से भेज दिए। जब न चेक मिला, तो उन्हें फ्रॉड होने का अंदेशा हुआ।

आर्थिक परेशानी झेले बिना योग से मिल सकता है बहुत सी बीमारियों से छुटकारा: बिजेश

नागरिकों ने योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाने का लिया संकल्प

ढाणा रोड डिस्पोजल पर एक जून से शुरू हुआ 15 दिवसीय सहयोग योग प्रशिक्षण शिविर रविवार को संपन्न हो गया।

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

भिवानी। 15 दिवसीय सहयोग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर के समापन पर योगाचार्य बिजेश जावला के साथ योग साधक।

नागरिकों को योग के माध्यम से स्वस्थ रहने का पाठ पढ़ाने के उद्देश्य से पतंजलि योगपीठ हरिद्वार द्वारा नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था व जनस्वास्थ्य विभाग के सहयोग से ढाणा रोड डिस्पोजल पर एक जून से शुरू हुआ 15 दिवसीय सहयोग योग प्रशिक्षण शिविर रविवार को संपन्न हो गया। शिविर के समापन पर पतंजलि योगपीठ भिवानी इकाई की पूरी टीम ने भाग लिया, जिसमें भारत स्वाभिमान न्यास के जिला प्रभारी आत्मप्रकाश टुटेजा, पतंजलि योग समिति के जिला सहप्रभारी सतवीर सिंह, समिति के महासचिव केके वर्मा, राज्य इकाई से सुरेंद्र बडेसरा, पूर्व डीएसपी हरनारायण व पूर्व तहसीलदार कंवरसिंह का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर योग साधकों को संबोधित करते हुए युवा भारत के जिला प्रभारी बिजेश जावला व नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था के संस्थापक सुरेश सैनी ने कहा कि भारत ऋषि-मुनियों का देश है, जिन्होंने योग के माध्यम से स्वस्थ जीवन शैली अपनाने की राह बताई। उन्होंने कहा कि योगऋषि स्वामी रामदेव के निर्देश पर घर-घर योग और जन-जन तक योग के संकल्प को पूर्ण करने के उद्देश्य से 15 दिवसीय योग शिविर आयोजन किया, जिसका नागरिकों को खासा लाभ मिला तथा बहुत से लोगों को बीमारियों व मोटापे जैसी समस्या निजात मिली। उन्होंने कहा कि योग के माध्यम से हम आर्थिक परेशानी झेले बिना बहुत सी बीमारियों से छुटकारा पा सकते है। उन्होंने पौष्टिक खानपान व संयमित दिनचर्या के बारे में बताया कि कैसे हम अपने रसोई घर में मौजूद जड़ी-बूटियां की सहायता से ही बहुत से रोगों से बचाव कर सकते हैं। योग साधकों ने योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

डिस्पोजल कैंपस में दो पौधे रोपे

जावला ने बताया कि योग शिविर का समापन हुआ है, लेकिन योग कक्षा निरंतर जारी रहेगी। इस दिन को यादगार बनाए रखने के लिए योग साधक तथा चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के एमएससी योगा के विद्यार्थी गौरव ने डिस्पोजल कैंपस में दो पौधें रोपित किए और योग साधकों ने पतंजलि योग समिति सदस्यों को सम्मानित किया। इस अवसर पर संतलाल, उमेद, पवन, रमेश, परमानंद, रतीराम, जतिन, कमलेश, रेनू, सुनील दत्त, कुलदीप, अंजलि, आदित्य, आशा, खजनी, इंद्रो, रामरति, नेहा आदि मौजूद रहे।

यात्रा निकालकर बताया योग का महत्व

चरखी दादरी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में गांव घसौला में जनजागरण यात्रा निकालकर सभी को योग के महत्व की जानकारी दी गई। आयुष योग शिक्षिका ज्योति ने सबको बताया कि पूरे विश्व में हर वर्ष 21 जून को योग दिवस मनाया जाता है। इसी उपलक्ष्य में हरियाणा योग आयोग के निर्देशानुसार 18 जून तक योग जागरण यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इसी के तहत गांव धसोला की व्यायामशाला में बच्चे और महिलाओं को जागरूक किया गया। ज्योति ने कहा कि योग हमें प्रतिदिन करना चाहिए। उन्होंने योग से होने वाले फायदे के बारे में भी बताया। इस दौरान गांव की सरपंच संगीता जी और संतोष, लक्ष्मी, प्रमिला, निकिता, निर्मला सुदेश, गुलाबो, दक्ष, तनुज,नंदिनी, सुमन, सरोज आदि मौजूद रही।

भिवानी। योगाभ्यास करते बीके भाई बहनें।

योग से शरीर एवं मन का संपूर्ण इलाज संभवः सुमित्रा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

- बीके सुमित्रा ने हुड्डा पार्क में ब्रह्मावत्सों व आमजन को बताया योग का महत्व

भारत देश अपने प्राचीन योग के कारण बहुत प्रसिद्ध है। विश्व के सभी लोग आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा व योग की पद्धतियां सीखने भारत में आते हैं, क्योंकि पूरा विश्व सारे उपाय करके थक गया, वह भारत की प्राचीन पद्धति योग पर पुनः लौट रहा है। सभी को लगने लगा है कि अब केवल योग से ही मानव शरीर एवं मन का संपूर्ण इलाज संभव है। ये बात प्रजापिता ब्रह्माकुमारी से राजयोगिनी बीके सुमित्रा बहन ने हुड्डा पार्क में ब्रह्मावत्सों व आमजन को योग के महत्व बताते हुए कही। इस दौरान बीके कीर्ति बहन उपस्थित रही और उन्होंने भी योग के बारे में जानकारी दी।

बीके सुमित्रा ने कहा कि योग केवल शारीरिक स्तर तक ही सीमित न रहें, क्योंकि शरीर का विकास स्वास्थ्य दे सकता है, बल्कि सर्वांगीण विकास नहीं। ये सिद्ध हो चुका है कि आज अधिकतर बीमारियों का कारण मनुष्य का मन है।

हमने योगासन करते हुए गुरुओं को देखा है कि वो बीच-बीच में कहते हैं कि इस अंग पर ध्यान दीजिए, मन के विचारों पर ध्यान दीजिए। बार-बार विचारों पर ध्यान देना होगा कि मैं ठीक सोच रहा हूं, मेरा ध्यान कहीं और तो नहीं है, इसलिए ये स्पष्ट है कि योग के लिए ध्यान एवं अटेन्शन चाहिए। इस अवसर पर बीके आरती, बीके श्वेता, मीडिया प्रभारी बीके धर्मवीर सहित अनेक ब्रह्मावत्स व आमजन उपस्थित रहे।

'बहुमत से बनेगी कांग्रेस की सरकार'

हरिभूमि न्यूज ▸▸ चरखी दादरी

भिवानी। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते चरखी दादरी कांग्रेस के ऑब्जर्वर हंसमुख चौधरी।

चरखी दादरी कांग्रेस के ऑब्जर्वर हंसमुख चौधरी ने विश्राम गृह में चरखी दादरी जिले के कांग्रेसी कार्यकर्ताओं से फीडबैक लिया। इस दौरान लोकसभा चुनावों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि आने वाला समय कांग्रेस पार्टी का है और राज्य में पूर्ण बहुमत के साथ कांग्रेस पार्टी की सरकार बनेगी।

कांग्रेस पार्टी ने प्रदेश व देश में अच्छा प्रदर्शन किया और लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के मतदाताओं का ग्राफ बढ़ा है, जिससे साफ नजर आ रहा है कि आने वाले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी की जीत पक्की है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार से हर वर्ग दुःखी व परेशान है, ऐसी सरकार से जनता छुटकारा पाना चाहती है जिसका परिणाम है कि लोकसभा चुनावों में जनता ने भाजपा को नकार दिया।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में जल्दी संगठन की घोषणा की जाएगी। इस दौरान दादरी विधायक सोमवीर सांगवान, पूर्व विधायक धर्मपाल सांगवान, पूर्व विधायक नृपेन्द्र मांढी, पूर्व विधायक रणसिंह मान, पूर्व विधायक कर्नल रघुवीर सिंह, एडवोकेट सुनील सांगवान, सतबीर फोगाट, राजसिंह, बलजीत फोगाट, प्रीतम बलाली, डॉ. धर्मेंद्र ढिल्लों, डॉ. ओमप्रकाश, जगदीश राय आदि उपस्थित रहे।

दौंगड़ा अहीर की बेटी का एचसीएस में चयन

मंडी अटेली। हरियाणा सिविल सर्विस के जारी परिणाम में अटेली विधानसभा के दौंगड़ा अहीर की बेटी डॉ. ईशु यादव पुत्री श्रीकृष्ण प्रिंसिपल का चयन हुआ है। उनके माता-पिता अध्यापक हैं। ईशू ने कुल 342 अंक हासिल किए हैं। इस उपलब्धि पर गांव के लोगों में खुशी का माहौल है। डॉ. ईशु यादव ने देश के प्रतिष्ठित मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज दिल्ली से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की। उसके बाद उनका एचसीएस में चयन हुआ है। इस अवसर पर बेटी के ताऊ रामानंद थानेदार, सुभाष प्रधान और भाई शक्ति ने बताया कि ईशु घर में सबसे छोटी है और पढ़ाई में कभी से होनहार रही है। ईशु ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मां और पिता को दिया है।

समस्याओं का करेंगे निवारण : सुनील

हरिभूमि न्यूज ▸▸ चरखी दादरी

चरखीदादरी। परिवार मिलन समारोह को संबोधित करते सुनील।

गांव बौंदकलां परिवार मिलन समारोह का आयोजन किया, जिसमें zबौंदकलां, बौंद खुर्द, रणकोली व आसपास के सभी गांव से व्यक्तियों ने जनसमूह के रूप में एकत्रित होकर हरियाणा भूमि सुधार एवं विकास निगम के मैनेजिंग डायरेक्टर सुनील डूडीवाला का स्वागत किया। डूडीवाला ने गांव की समस्याओं पर खुलकर विचार विमर्श किया। उन्होंने कहा कि विगत दिनों में नशा मुक्त अभियान और पानी की समस्या सहित कई अन्य समस्याओं को लेकर जो मुहिम चलाई उनके सकारात्मक परिणाम देखने को मिले। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य दादरी को नशा मुक्त करना है, जिसके लिए लगातार प्रयास जारी रहेंगे। सुनील ने बताया कि नशे के खिलाफ मुहिम को साइकिल यात्रा द्वारा हर गांव व घर-घर तक नशा मुक्त दादरी का संदेश पहुंचाने का काम किया। उन्होंने कहा कि पीने के पानी व कृषि के लिए पर्याप्त नहरी पानी का प्रयास किया जाएगा। सूबेदार जितेंद्र सिंह परमार ने बताया कि सुनील डूडीवाला ने बौंद स्थित कन्या विद्यालय में बालिकाओं के बैठने के लिए बैंच डेस्क स्वयं के प्रयासों से उपलब्ध करवाए और बौंद से दादरी रोड का टेंडर भी मंजूर हो चुका है। जल्द ही सामूहिक प्रयासों एवं सरकार के द्वारा बौंद से दादरी रोड का निर्माण शुरू होने वाला है।

शिविर में 48 यूनिट रक्त किया एकत्रित

चरखी दादरी। फादर्स डे पर मॉडल दादरी जिला बनाओ संगठन ने गांव नीमड़ी, पांडवान, लांबा, कोहलावास, बास, कितलाना मोड पर मेडिकल व रक्तदान शिविर लगाए। इसी कड़ी के 880, 881वां रक्तदान व 908, 909 व 910वां मेडिकल कैंप रहे। शिविर की अध्यक्षता विकास रंगा, मोहिंद्र लुहाच, बिरेंद्र प्रजापत, सुबेदार मेजर गुणपाल सिंह, करतार सिंह ने की। मुख्यतिथि चौकीदार अशोक, अर्जुन, सुनील, सफाई कर्मी रविंद्र, चतुर्थ श्रेणी कर्मी नरेश सैन शामिल हुए। विधिवत आरंभ करवाते हुए संगठन के कामों की तारीफ की गई। शिविरों में एम्स बाढ़सा की टीम ने 48 यूनिट रक्त एकत्रित किया व रक्तदाताओं को बैज लगाकर हौंसला अफजाई की गई। मेडिकल कैंप में रोग निदान, आई केयर, आई क्यू के चिकित्सकों ने आंखों व सामान्य रोग के 237 लोगों की जांच की। दवा वितरण किया गया। डॉ. महेश शर्मा, डॉ. परवीन, डॉ. नीलाक्षी, डॉ. मंजीत, डॉ. स्वाति, डॉ.नीरजा व सहयोगियों ने शिविर में सेवाएं दी। युवा विंग अध्यक्ष अधिवक्ता अनिल साहू ने कहा कि रक्तदान का कोई विकल्प नहीं है, संगठन यथासंभव सहयोग कर रहा है।,

एक्सीलेंस इन एजुकेशन अवार्ड से सम्मानित

- दिल्ली के ऑडिटोरियम में सिल्वर जोन ओलंपियाड द्वारा आयोजित 21वां सम्मान समारोह

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

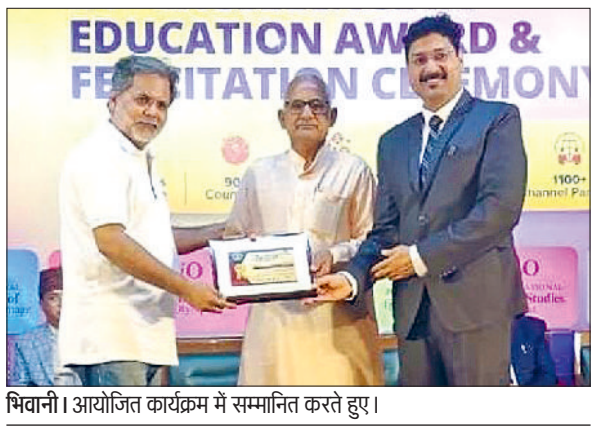

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित करते हुए।

विकास स्कूल, राजगढ़ के प्रिंसिपल को मिला एक्सीलेंस इन एजुकेशन अवार्ड' जून 2024 को इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर, नई दिल्ली के ऑडिटोरियम में सिल्वर जोन ओलंपियाड द्वारा आयोजित 21वां सम्मान समारोह में पूरे भारतवर्ष के कई प्रांतों से आमंत्रित स्कूल ओनर, प्रिंसिपल और टीचर्स को शिक्षा के क्षेत्र में विशेष बढ़ावा देने के लिए 'एक्सीलेंस इन एजुकेशन अवार्ड 2023.24' से सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संदीप मरवाह . एएएफई और नोएडा फिल्म सिटी के संस्थापक व अध्यक्ष मेजर जनरल आरके रैना, आर्मी वेलफेयर एजुकेशन सोसाइटी के प्रबंध निदेशक पांडव हमाल . नेपाल के राष्ट्रीय निजी और बोर्डिंग स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष पुण्य प्रसून बाजपेई . एक प्रमुख भारतीय पत्रकार और सूर्य समाचार के पूर्व प्रधान संपादक मदन कार्की , एक भारतीय गीतकार, पटकथा लेखक, सॉफ्टवेयर इंजीनियर,अनुसंधान सहयोगी और उद्यमी ने सिल्वर जोन ओलिंपियाड के डायरेक्टर के सहयोग से आमंत्रित सभी स्कूल ऑनर्स, प्रिंसिपल और टीचर्स को एक्सीलेंस इन एजुकेशन अवार्ड 2023.24 से सम्मानित किया। इस सम्मान समारोह में भिवानी जिले से विकास उच्च विद्यालय, राजगढ़ के प्रिंसिपल हरिराम स्वामी को शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान और छात्रों के बीच अकादमी उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए एक्सीलेंस इन एजुकेशन अवार्ड 2023.24 से सम्मानित किया गया। यह पूरे भिवानी जिले और ग्रामीण अंचल के लिए गौरव की बात है।

प्रशिक्षण शिविर में हुनर निखार रहे खिलाड़ी

चरखीदादरी। बैडमिंटन प्रशिक्षण शिविर में खेलते खिलाड़ी।

हरिभूमि न्यूज ▸▸ चरखी दादरी

- मैत्री मैचों के दौरान ही देखने को मिल रही कांटे की टक्कर : लोकेश
- कैंप आगामी 20 जून तक आयोजित होगा, ग्रीष्मकालीन नि:शुल्क प्रशिक्षण शिविर के तहत चल रहा कैंप

दादरी जिला बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा हर वर्ष आयोजित किए जाने वाले ग्रीष्मकालीन निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर के तहत जिला प्रधान पंकज जैन के मार्गदर्शन में चल रहे कैंप के दौरान पुरूष, महिला, किशोर व युवा खेल की बारीकियों को सीख रहे हैं। उन्होंने बताया कि रोजाना पुराना शहर स्थित हीरा इंडोर स्टेडियम में पहुंचकर अनुभवी कोच के मार्गदर्शन में खिलाड़ी अपने खेल को निखार रहे है, वो बैडमिंटन के लिए सुखद संकेत है। कैंप के दौरान सभी खिलाड़ियों की प्रगति पर नजर रखने के लिए उनके बीच नियमित अंतराल पर मैत्री मैचों का आयोजन भी किया जा रहा है, जिससे कि वो अब तक जो कुछ भी उन्होंने कैंप में सीखा है, उसे आजमा सके, अपने खेल हुनर को मैदान पर उतारने का अनुभव उन्हें मिले। उन्होंने कहा कि कहने को ये सब मैत्री मैच है, लेकिन प्रत्येक खिलाड़ी इन मैचों के लिए पूरी जी जान लगा रहा है, वो उन सभी के खेल समपर्ण की भावना को दिखाने के लिए काफी है। लगभग प्रत्येक मैच में काफी कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है। ये कैंप आगामी 20 जून तक आयोजित किया जाएगा। महासचिव लोकेश गुप्ता ने बताया कि मैत्री मैचों के दौरान निखिल ने राम को 21-15, 18-21 व 21-17 से मात दी।

भाविका व मोक्ष के बीच सबसे रोमांचक मुकाबला

मनित ने आशु को 17-21, 21-12 व 21-19 से हराया। सबसे रोमांचक मैच भाविका व मोक्ष के बीच रहा, जहां पहले सैट में विजेता भाविका 19-21 से पीछे थी तो वापसी करते हुए अगले दोनों सैट 21-16 व 21-18 से जीते। प्रत्यूष ने लक्ष्य को 21-14, 20-22, 21-18 के संघर्षपूर्ण मैच में हराया। प्रणव ने लविश को 19-21, 21-17 व 21-11 से मात दी। इस दौरान खिलाड़ियों व उनके अभिभावकों ने अनुभवी कोच नरेश सैनी के मार्गदर्शन की खुलकर तारीफ की।

छोटी काशी में गंगा दशहरा पर जल सेवा

भिवानी। उत्तर भारत में हिंदू पंचांग के अनुसारए ज्येष्ठ महीने के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को गंगा दशहरा का पावन पर्व बड़े उत्साह से मनाया गया। कहा जाता है कि इस दिन गंगा स्नान करने से 10 तरह के पापों से मुक्ति मिलती है, मोक्ष की प्राप्ति होती है तथा जीवन में सुख.शांति का आगमन होता है। उपरोक्त विचार समाजसेवी सुरेंद्र लोहिया ने संतोषी माता मंदिर देवी देवताओं की स्तुति के उपरांत मीठे पानी की छबील वितरण पर बोलते हुए व्यक्त किए। वही हनुमान ढाणी चौक पर भी गंगा दशहरा पर्व पर बढ़ती गर्मी को देखते हुए धर्म कर्म किया गया। राहगीरों को मीठा पानी की जल सेवा की गई।

जल सेवा में शामिल अमर नगर टीबा बस्ती गली 5 के सामाजिक कार्यकर्त्ता मुकेश, निर्मल, संदीप, ललित, पवन, जीतेन्द्र और

नर्सरी संचालक अशोक कुमार ने 51 पौधें भेंट किए

पर्यावरण पंचायत में नागरिकों को किया जागरूक

- पर्यावरण को सभी प्रकार के प्रदूषण से मुक्त रखना प्राथमिक व नैतिक जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

भिवानी। लोगों में पौधे वितरित करते हुए।

पिछले कुछ दशकों में जलवायु संबंधी आपदाओं में कई गुणा तक वृद्धि हुई है तथा यह सब वृक्षों की अंधाधुंध कटाई और पर्यावरण असंतुलन के कारण हुआ है। ऐसे में अब पर्यावरण को संतुलित बनाए रखने के लिए प्रत्येक जन को इसके प्रति होने के साथ.साथ सकारात्मक कदम भी बढ़ाने होंगे। आमजन को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से त्रिवेणी बाबा के सान्निध्य में पर्यावरण प्रहरी हवलदार लोकराम नेहरा द्वारा रविवार को स्थानीय हुडा पार्क में पर्यावरण पंचायत का आयोजन किया गया। इस मौके पर बतौर मुख्यअतिथि राष्ट्रीय युवा पुरस्कार अवॉर्डी अशोक भारद्वाज, अधिवक्ता अशोक आर्य व भूमिका सरदाना ने शिरकत की। पर्यावरण पंचायत के दौरान गंगा नर्सरी संचालक अशोक कुमार ने उपस्थित लोगों को 51 पौधें वितरित किए तथा कहा कि यदि आमजन के घर में पौधें लगे होंगे तो उनमें पेड़.पौधों के प्रति प्रेम भाव पैदा होगा तथा वे भी पर्यावरण संरक्षण में पेड़.पौधों की महत्ता समझते हुए इसके संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित होंगे। पर्यावरण पंचायत के दौरान अनेक पर्यावरण प्रेमी मौजूद रहे, जिन्होंने मानसून के मौसम में अधिक से अधिक पौधारोपण करने व आमजन को इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प भी लिया। पर्यावरण पंचायत को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथियों ने कहा कि पर्यावरण में ही स्वस्थ जीवन संभव है। इसीलिए हम सबकी नैतिक और प्राथमिक जिम्मेदारी है कि पर्यावरण को सभी प्रकार के प्रदूषण से मुक्त रखे और अपने गांव व शहर को हरा.भरा और स्वस्थ बनाएं। पर्यावरण पंचायत के आयोजक हवलदार लोकराम नेहरा ने कहा कि यदि हम आज पौधे रोपित कर उनकी देखभाल करते है तो वे भविष्य में पेड़ बनकर ना केवल छांव देंगेए वरन कई खतरों से बचाएंगे। इससे हवा शुद्ध होगीए साथ ही मिट्टी का क्षरण भी रुकेगा तथा पर्यावरण स्वच्छ होगा।

खबर संक्षेप

चरखी दादरी। ग्रामीणों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं के बारे में बताते पैनल अधिवक्ता व पीएलवी।

कानूनी अधिकारों के प्रति किया जागरूक

चरखी दादरी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चेयरमैन एवं सेशन जज नरेश कुमार निर्देशानुसार व प्राधिकरण मुख्य दंडाधिकारी सौरव कुमार के मार्गदर्शन में पैनल अधिवक्ता नरेंद्र फोगाट, लेबर विभाग अंकित सांगवान तथा पीएलवी रोहतास शर्मा ने मोबाइल वैन के माध्यम से विभिन्न गांवों बधवाना, जावा, बिजणा, रानीला, अचीना, बागेश्वरी आदि में ग्रामीणों को विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं के बारे में अवगत करवाया। इसके साथ ही उन्हें राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। पीएलवी रोहताश शर्मा ने बताया कि इन दिनों प्राधिकरण की जागरूक मोबाइल वैन दादरी जिले के गांव गांव जाकर प्राधिकरण की नीतियों के बारे में बताया।

स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना चाहिए : नंदकिशोर

भिवानी। चौ. बंसीलाल पार्क में श्रीराम प्रसाद रामेश्वदास धर्मार्थ ट्रस्ट व चिनार फैब्रिक्स द्वारा बीपी शुगर जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 150 लोगों के बीपी व शुगर की जांच की गई। शिविर में नंदकिशोर अग्रवाल ने कहा कि बीपी व शुगर की सही समय पर जांच नहीं की गई तो ये बीमारियां अन्य जानलेवा बीमारियों को पैदा कर सकती हैं। इसलिए हमें अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना चाहिए। इसके साथ.साथ उन्होंने बढ़ती गर्मी से बचने का संदेश देते हुए कहा कि वे जरूर कार्य हेतु अपने घर से बाहर निकलें।

जल मानव जीवन का आधार: वर्षा रानी

मंडी अटेली। जल जीवन मिशन के अंतर्गत गांव गुजरवास में जूनियर रेडक्रॉस ब्लॉक कोऑर्डिनेटर डॉ. सीएस वर्मा के दिशा-निर्देशन में जल और जीवन विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें गांव के प्रबुद्ध लोगों सहित स्वयंसेवकों ने जल संरक्षण पर अपने विचार सांझा किए। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सरपंच वर्षा रानी ने कहा कि जल मानव-जीवन का मूल आधार है। जल के बिना जीवन की कल्पना करना भी संभव नहीं है। इसलिए जल की एक-एक बूंद को सहेज कर रखना चाहिए।

कई दिनों से पारा ज्यादा होने की वजह से नुकसान

मौसम का कहर : गर्मी से झुलस रही है धान की पौध, हरियाली पर भी संकट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

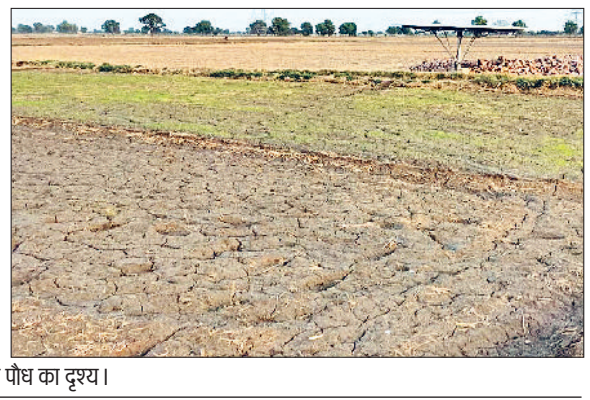

भिवानी। ज्यादा गर्मी से झुलसा धान का पौधा व किसान द्वारा तैयार की गई धान की पौध का दृश्य।

पिछले करीब 15 दिनों से लगातार झुलसाने वाली गर्मी की वजह से हर कोई परेशान है। पारा 47 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचने की वजह से हरियाली भी मुरझाने लगी है। सबसे ज्यादा असर धान की पौध पर पड़ा है। ज्यादा गर्मी के चलते धान के छोटे पौधे उपर से सूखने लगे है। यह तब है,जब रोजाना शाम के वक्त पौधों की सिंचाई की जा रही है। अगर एक दिन छोड़ दिया जाए तो पूरी तरह से पौध झुलस जाएंगी। जिसके चलते इस बार किसानों को धान की पौध तैयार करना ढेढी खीर साबित हो रही है। ज्यादा गर्मी के चलते धान की पौध कम अंकुरित हो रही है। जिसका सीधा नुकसान किसान को झेलना पड़ेगा।

जून माह में किसान अपने खेतों में बारिश के सीजन में धान की फसल की बिजाई करता है। जिसके लिए किसान को जून माह में धान की पौध तैयार करनी होती है। इसके लिए दस जून के आसपास किसान पौध तैयार करने में जुट जाता है। बीते वर्ष की तरह इस साल भी किसान ने जून माह में धान पौध तैयार करनी आरंभ कर दी,लेकिन जून माह में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से उपर होने की वजह से धान की पौधे सही ढंग से अंकुरित नहीं हो पा रहे है। पूरी नमी होने के बावजूद धान के पौधे अंकुरित होते ही उनका उपर से तना सूख रहा है। यह स्थिति उन धान की पौध में है। जो हाल ही में अंकुरित हुई है या फिर अंकुरित हो रही है। इन पौधों के उपर से दो पत्ते झुलस गए है। क्योंकि पिछले कई दिनों से पारा 44 डिग्री सेल्सियस से 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा है। अगर अगले कुछ दिनों तक गर्मी का इसी तरह का प्रकोप रहा तो जो पौधे अभी अंकुरित हुए है। उन पौधों की बढ़वार पूरी तरह से रूक गई है। हो सकता है किसानों को उन की जगह और धान की पौध तैयार करनी पड़े। फिलहाल किसानों के समक्ष धान की पौध को लेकर अजीब सी उलझन बनी हुई है।

गर्मी ने तोड़ा हरियाली का गुरुर

इस बार गर्मी ने पीछे के सारे रिकार्ड तोड़ दिए। पारा हाई होने की वजह से हरियाली भी पूरी तरह से झुलसने लगी है। सबसे ज्यादा असर सड़क व नहर किनारे खड़े पेड़ पौधों पर हुआ है। उनके पत्ते सूख कर जमीन पर बिछने लगे है। क्योंकि पारा 47 डिग्री तक पहुंचने की वजह से बड़े पौधों की भी बढ़वार अटक गई है। जब तक लू के थपेड़ों से राहत नहीं मिलेगी। तब तक हरियाली भी गर्मी के दबाव में ही रहेगी।

कर्मचारियों की अनदेखी कर रही सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

मास्टर जयबीर नाफरिया।

कर्मियों को नाम मात्र और राजनेताओं को दी जा रही चार-चार पेंशन

सरकार कर्मचारियों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही हैं। कर्मचारियों को नाम मात्र की पेंशन और राजनेताओं को चार-चार पेंशन दी जा रही हैं। उक्त बात हरियाणा कर्मचारी महासंघ के राज्य प्रधान सरदार निशान सिंह, राज्य महासचिव सुनील खटाना, रोडवेज कर्मचारी यूनियन के राज्य महासचिव जयबीर घणघस व प्रदेश प्रवक्ता जयबीर नाफरिया ने प्रेस को जारी ब्यान में कही। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान नहीं कर रही हैं, बल्कि उन्हें आंदोलन करने को मजबूर कर रही हैं।उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हरियाणा कर्मचारी महासंघ के प्रतिनिधिमंडल को बुलाकर मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर समाधान करें। उन्होंने कहा कि सरकार ने कर्मचारियों की पुरानी पेंशन योजना बन्द करके नई पेंशन योजना लागू कर रखी हैं और कर्मचारियों को नाम मात्र की पेंशन देकर खिलवाड़ किया जा रहा हैं। वहीं राजनेताओ को करोड़ो रुपये प्रतिमाह के रूप में पुरानी एवं चार-चार पेंशन दी जा रही हैं, जो भेदभावपूर्ण प्रणाली हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार देने की बात करती हैं, लेकिन धरातल पर अपने वादे को लागू नहीं कर रही हैं। आज विभागों में लगभग पौने दो लाख पद खाली पड़े हैं।

कच्चे कर्मचारियों को पॉलिसी बनाकर किया जाए पक्का

उन्होंने कहा कि कच्चे कर्मचारियों को पॉलिसी बनाकर पक्का किया जाए और जब तक पॉलिसी नहीं आती माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्णय अनुसार समान काम समान वेतन दिया जाए। वर्तमान एक्सग्रेसिया पॉलिसी में लगाई शर्तों को हटाया जाए, सभी प्रकार की वेतन विसंगति को दूर किया जाए। सरकार के कर्मचारी व विभाग विरोधी रवैये के खिलाफ 29 जून को अम्बाला में राज्यस्तरीय कन्वेंशन की जाएगी,जिसमें प्रदेशभर के सभी विभागों के हजारों कर्मचारी भाग लेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि जल्द समाधान नहीं हुआ तो 25 जुलाई से मुख्यमंत्री के गृह जिले में महापड़ाव डालेंगे।

पुलिस ने मुंढाल में लोगों को नशे का सेवन न करने की शपथ दिलाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी लोगों को शपथ दिलाते हुए।

जिला पुलिस के सभी थाना एवं चौकी स्तर पर पुलिस टीमें आमजन को नशे के दुष्प्रभाव एवं बचाव बारे जागरुक कर रही हैं। इसी कड़ी में थाना सदर भिवानीए जूई कला व बहल की टीम ने आमजन व बच्चों को नशे से बचनें हेतु जागरुक कियाए साथ ही उन्हें नशे के विरुद्ध शपथ दिलाई । पुलिस की उपरोक्त टीमों ने लोगों को इस अभियान में नशे के खिलाफ शपथ दिलाई जिसमें उपरोक्त लिंक पर भी शामिल है। थाना सदर भिवानी के अंतर्गत पुलिस चौकी मुंढाल के इंचार्ज सहायक उप निरीक्षक दीपक कुमार ने गांव मुंढाल में सरपंच, नागरिक व युवाओं को नशे के दुष्प्रभाव के बारे में बताते हुए नशा न करने के लिए शपथ दिलाई। थाना जूई कला के उप निरीक्षक सुरेश कुमार ने अपनी टीम के साथ गांव लहलाना में जाकर नागरिकों को नशे के प्रति जागरूक किया।

बच्चों को खेलकूद व शिक्षा के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

बाल सभा भिवानी के आह्वान पर बाल सभा ने छोटे बच्चों को खेलकूद व शिक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए शहीद भगत सिंह यादगार भवन में किया खेलकूद व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया।

महत्व बताया

कार्यक्रम की अध्यक्षता बाल सभा की संयोजिका अनुराधा व संचालन आस्था ने किया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि आजादी के 75 साल बाद भी देश व प्रदेश की सरकार देश में अनपढ़ता को खत्म नहीं कर पाई हैं। गांवों व शहरों की गरीब बस्तियों में बच्चों को अच्छी शिक्षा नहीं मिलती। सरकार की शिक्षा नीति के चलते बच्चे शिक्षा से दूर हो रहे है। उन्होंने कहा कि मंहगाई व बेरोजगारी के चलते बच्चों को बाल मजदूरी की ओर धकेला जा रहा हैं। छोटी बच्चियों के साथ घरेलू हिंसा व यौन शोषण की घटनाएं दिन प्रतिदिन बढ़ रही है। बाल सभा छोटे बच्चों में खेलकूद व शिक्षा के प्रति आर्कषण पैदा करने के लिए प्रयास कर रही हैं व बच्चों में बाल अधिकारों के प्रति जागरूक करने का काम करती है। कार्यक्रम में सीटू नेता अनिल कुमार, फूलचन्द, बाल सभा संयोजक अनुराधा, सहसंयोजक आस्था,अमृता, परी, दर्पण, मुस्कान, रेनू, अंकिता, सानिया, इसांत, नीतिन, अमृत आदि शामिल रहे।

भिवानी। बाल सभा के दौरान खेलते बच्चें। फोटो :हरिभूमि

शिविर में 30 लोगों ने रक्तदान किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

तोशाम। रक्तदाताओं को सम्मानित करते हुए।

84 बार रक्तदान कर चुके बार तुरन्तनाथ

गांव पटौदी में युवा क्लब द्वारा रक्तदान शिविर लगाया गया। इस मौके पर युवा क्लब द्वारा सर्व हरियाणा ग्रामीण के पास खाताधारकों के लिए पेयजल व्यवस्था करने के लिए वाटरकूलर रखवाया। रक्तदान शिविर में 84 बार रक्तदान कर चुके बाबा तुरन्तनाथ मौके पर पहुंचे। इस मौके पर 30 यूनिट रक्त लिया गया। 84 बार रक्तदान कर चुके बार तुरन्तनाथ ने युवाओं से कहा कि आपके द्वारा किया गया रक्तदान किसी की जिंदगी बचा सकता है। सभी युवाओं में रक्तदान करने के लिए जोश होना चाहिए। लोगों द्वारा रक्त दान करने से दिल की सेहत में सुधारए दिल की बीमारियों और स्ट्रोक के खतरे को कम माना जाता है। खून में आयरन की ज्यादा मात्रा दिल के दौरे के खतरे को बढ़ा सकती है। नियमित रूप से रक्तदान करने से आयरन की अतिरिक्त मात्रा नियंत्रित हो जाती है। जो दिल की सेहत के लिए अच्छी है। उन्होंने बताया कि कई बार मरीजों के शरीर में खून की मात्रा इतनी कम हो जाती है कि उन्हें किसी और व्यक्ति से ब्लड लेने की आवश्यकता पड़ जाती है। ऐसी ही इमरजेंसी स्थिति में खून की आपूर्ति के लिए लोगों को रक्तदान करने के लिए आगे आना चाहिए। इससे जरुरत मंद की मदद हो सकेगी। इसके बाद युवा क्लब के सदस्यों ने ग्रामीण बैंक के पास वाटरकूलर रखवाया। युवाओं का कहना है कि बैंक में आसपास के गांवों के खाताधारक आते हैं उनके लिए गर्मी के मौसम में पीने के पानी की व्यवस्था बहुत जरूरी है। इस मौके पर सिंटू सरपंच, राजेन्द्र सरपंच व अन्य मौजूद रहे।

ज्ञानार्जन के साथ न्याय, समानता प्राप्ति का माध्यम शिक्षा: संजीव

- शिक्षा को बढ़ावा देने की मुहिम के साथ भिवानी पहुंची भारती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

बच्चों के अभिभावकों को शिक्षा के महत्व से अवगत करवाती भारती।

शिक्षा मानव समाज के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षा सिर्फ ज्ञानार्जन का नहीं, बल्कि समाज के न्याय, समानता और विश्वसम्मतता को प्राप्त करने का माध्यम है। शिक्षित लोग समाज में सक्रिय भूमिका निभाते हुए सामरिकता, संप्रेम एवं सद्भाव की स्थापना करते है। समाज को शिक्षित कर उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश के बिजनौर निवासी भारती अपनी अहम भूमिका निभाते हुए विशेष मुहिम चलाए हुए है,जिसके तहत वे स्लम एरिया में जाकर बच्चों व उनके अभिभावकों को राष्ट्र की तरक्की में शिक्षा की महत्ता से अवगत करवाने व शिक्षा को बढ़ावा देने को प्रेरित करती है। इसी अभियान के तहत भारती उत्तर प्रदेश के बिजनौर से भिवानी पहुंची, जहां सामाजिक कार्यकर्ता संजीव रोज से मुलाकात की, जिसके बाद उन्होंने शहर की विभिन्न स्लम बस्तियों सहित अन्य स्थानों पर जाकर लोगों को अपने बच्चों को शिक्षित बनाने के लिए प्रेरित किया। सजीव ने कहा कि शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भारती क्रांतिकारी की भूमिका निभा रही है। उन्होंने बताया कि भारती स्वयं एलएलबी की शिक्षा ग्रहण कर रही है। उन्होंने कहा कि निरक्षरता एक ऐसा गंभीर मुद्दा है, जो सीधे रूप से राष्ट्र को प्रभावित करता है।

पक्षियों को मारकर गटर में फेंकने का आरोप, कार्रवाई की मांग

- वार्डवासियों ने ऐसा कार्य करने वालों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की

हरिभूमि न्यूज,बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा में पारासर चौक में घरों के आगे गटर के ढ़क्कनों पर पक्षियों को मारकर उनके पंखों को डालने से वार्ड में रोष फैला हुआ है। वार्डवासियों में हनुमान पारासर, अनिल कुमार, राहुल, विष्णु, कपिल आदि ने बताया कि न जाने किस व्यक्ति के द्वारा पक्षी को मार.काटकर उनके पंखों को उनके घर के सामने गटर के ढ़क्कनों पर डाल दिया जाता है जिससे इनके पंख उड़कर घरों में जाते हैं और जो परिवार प्याज तक खाना उचित नहीं समझते उनके लिए ऐसा होना मौत आने के समान है।

उनका धर्म भ्रष्ट हो रहा है। उन्होंने बताया कि प्रशासन को ऐसे लोगों के खिलाफ एक्शन लेना चाहिए। वार्डवासियों ने बताया कि यदि ऐसे लोगों को मांस पसंद है तो वे गलियों में ऐसी ओछी हरकत न करें जिससे दूसरों की भावनाओं को ठेस पहुंचे यदि फिर ऐसा हुआ तो वे सीसीटीवी की फुटेज निकालकर कार्यवाही करने के लिए मजबूर होंगे।

नशे के प्रति जागरूक किया

पुलिस महानिदेशक हरियाणा शत्रुजीत कपूर के आदेशों एंव ओपी सिंह अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हरियाणा नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो पंचकुला के निर्देशों की पालना में भिवानी पुलिस द्वारा नशा मुक्त भारत पखवाडा के अर्न्तगत नशे के खिलाफ विशेष अभियान की शुरुआत की गई है। पुलिस अधीक्षक भिवानी वरुण सिंगला आईपीएस के निर्देश पर इस अभियान के तहत जिला पुलिस के सभी थाना एवं चौकी स्तर पर पुलिस टीमें आमजन को नशे के दुष्प्रभाव एवं बचाव बारे जागरुक कर रही हैं। इसी कड़ी में थाना सदर भिवानी, जूई कला व बहल की टीम ने आमजन व बच्चों को नशे से बचनें के लिए जागरुक किया।

नियमित योग करने से शरीर स्वस्थ रहता है : रजनी सैनी

चरखी दादरी। करो योग रहो निरोग केवल एक कहावत नहीं बल्कि ये तो हमारे समस्त उन ऋषि मुनियों द्वारा सैकडों सालों में की गई जो कि उन्होंने मानवता की भलाई के लिए की थी। योग एक ऐसा माध्यम है जो कि किसी भी रोग से लडने के लिए हमारे शरीर को अत्यंत ही मजबूत बना देता है। यह जानकारी गांव रवालधी में हर घर मैं योग होना जरूरी है तथा लोगों कोए योगाभ्यास करवाते हुए आयुष विभाग का सदेश योग शिक्षक रजनी सैनी व योग शिक्षक सोनिया, नविता ने गांव के बड़े बूढ़ो को और सभी को योग करवाया योग का महत्व बताया था नवयुवाक को नशे से दूर रहने के लिए भी प्रेरित किया इसमें गांव के सरपंच अनीता देवी ने नेपूर्ण सहयोग दिया तथा गांव के सुखविंदर सिंह ने तथा भी पूर्ण रूप से योग सहायिका रजनी सैनी और उसके साथी नविता देवी और सोनिया कार्य में सहायता की तथा महिलाओं को बीमारियों के बारे में बताया कि किस तरह वह अपने शरीर को ठीक रख सकते हैं बीमारियों को कैसे दूर रखा जा सकता है योग के माध्यम से और उन्होंने बताया।

कार्यक्रम ग्रामीण बोले, विभाग ने सूचना के बाद भी नहीं की कार्रवाई

बिना नंबरों के ट्रालों और डंफरों में बालू ले जाने का आरोप लगाया

हरिभूमि न्यूज,बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। ओवरलोड वाहनों को लेकर नारेबाजी करते हुए।

बवानी खेड़ा क्षेत्र के आधीन आने वाले अनेकों गांवों में एनएचएआई 148बी का निर्माण कार्य जोरों शोरों पर चल रहा है इसके निर्माण कार्य में बिना नंबरों व ओवरलोढ़ वाहनों के चलने पर ग्रामीणों ने इन पर कार्यवाही न करने पर बवाल काटा तो वहीं थाना प्रभारी ने समय समय पर चैकिंग करने की बात कही। उल्लेखनीय है कि गांव चौरटापुर से मिलकपुर को जोड़ने वाले रोड़ पर पिछले काफी समय से चल रहे कार्य को लेकर बीते माह ग्रामीणों वे ठेकेदार में तू.तड़ाक हो गई। मामला इतना बढ़ा था ग्रामीणों ने इसकी शिकायत भिवानी के आरटीओ से की थी और आरटीओ ने भी एक्शन लेने का भरोसा जताया था। ग्रामीणों में प्रदीप चाहर, महेन्द्र लांबा, सुंदर लांबा, आजाद सिंह, प्रधान रोशन शेषमा आदि ने बताया कि पिछले काफी दिनों से ओवरलोढ़ डंफर अवैध खनन करके मिट्टी डालने का काम कर रहे हैं। लगभग 2 दर्जन से अधिक डंफर जिनमें अनेक बिना नंबर के है और पूठी ड्रेन से ओवरलोढ़ होकर एनएचएआई 148बी पर मिलकपुर से चौरटापुरए ढ़ाणी केसलाए ढ़ाणी कुशालए ढ़ाणी कुम्हारान पर मिट्टी आदि डाल रहे हैं। ओवरलोढ़ होने के कारण यहां की की सड़के पूरी तरह से टूट गई है। पहले भी डंफर चालकों व ठेठेदार से परमिशन दिखाने के लिए कहा तो उन्होंने गांवों के लोगों को टायर के नीचे देने की धमकी दी थी।

ये बोले ग्रामीण

ग्रामीणों ने बताया कि बिना नंबर प्लेट के गाड़ियां चलाई जा रही है। ये वाहन राम 8 बजे से शुरू होकर सुबह 6 बजे तक सरपट दौडते हैं और दिन में आराम करते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने इनके कार्योर् में अनियमितता को देखते हुए इसकी शिकायत भिवानी के आरटीओ से कर एक्शन लेने की बात कही। लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई जिसके चलते इनके हौसले बुलंदी पर है। ग्रामीणों ने इसी से रोषित होकर रोष जाहिर कर नारेबाजी की व समाधान न होने पर जिला स्तर पर धरना देने की बात कही। वहीं भिवानी आरटीओ से संपर्क नहीं हो सका। दूसरी तरफ इस बारे में थाना प्रबंधक जितेन्द्र कुमार ने बताया कि उनकी टीम द्वारा नाकाबंदी करके वाहनों की चेकिंग की जाती है व अनियमितता पाए जाने पर कार्यवाही की जाती है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008